देश का चौथा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम वाला प्रदेश बना यूपी

सभी 75 जिलों में काम कर रहे स्टार्टअप, इनमें आठ यूनीकार्न

राज्यू, लखनऊ : औद्योगिक विकास के साथ ही नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ावा देने की प्रदेश सरकार की नीति के सार्थक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश देश का चौथा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम वाला प्रदेश बनकर उभरा है। वर्तमान में सभी 75 जिलों में स्टार्टअप हैं, जिनमें आठ यूनीकार्न हैं और कई तेजी से यूनीकार्न बनने की ओर अग्रसर हैं। प्रदेश में निवेश के आंकड़ों का संकलन कर रही एजेंसी केपीएमजी की रिपोर्ट से यह बात उजागर हुई है।

प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025 तक 10 हजार स्टार्टअप का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसके सापेक्ष वर्ष 2023 के मध्य तक ही यह लक्ष्य प्राप्त किया जा चुका है। केपीएमजी की रिपोर्ट के अनुसार यूपी के पे-टीएम, पे-टीएम माल, इंडिया मार्ट, मोगलिक्स, पाइन लैब्स, इनोवेसर, इंफो एज और फिजिक्स वाला देश के यूनीकार्न स्टार्टअप में

- दस हजार स्टार्टअप निर्धारित समय से पहले हुए पूरे

शुमार किए जाते हैं। यूनीकार्न वो स्टार्टअप होते हैं जिसकी वैल्यूएशन एक अरब डालर से अधिक होती है। फिलहाल देश में 108 से ज्यादा यूनीकार्न स्टार्टअप मौजूद हैं, जिनमें आठ यूपी के हैं।

इसी प्रकार सूनीकार्न (सून टू बी यूनीकार्न) उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनमें निकट भविष्य में यूनीकार्न बनने की क्षमता हो। फिलहाल प्रदेश में दो सूनीकार्न स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं, इनके नाम क्लास प्लस व इनशार्ट्स हैं। रिपोर्ट के अनुसार यूपी में 49 प्रतिशत स्टार्टअप टियर-2 व टियर-3 शहर से संबंधित हैं। प्रदेश में स्टार्टअप इकोसिस्टम से एक लाख से ज्यादा रोजगार सृजन के अवसर सृजित हुए हैं। एग्री टेक आधारित स्टार्टअप में भी यूपी अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करा रहा है। इनके जरिये न केवल रोजगार मिल रहा है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में भी मदद भी मिल रही है।

23 जिलों में 63 इनक्यूबेशन सेंटर दे रहे स्टार्टअप को बढ़ावा

योगी सरकार ने 1000 करोड़ रुपये यूपी स्टार्टअप फंड के लिए आवंटित किए हैं। इसके तहत 23 जिलों में 63 इनक्यूबेशन सेंटर के जरिये स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने की प्रक्रिया जारी है। प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन, मेड टेक, ब्लाकचेन, 5जी, 6जी, क्वांटम कंप्यूटिंग, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग व स्पेस टेक जैसे क्षेत्रों से संबंधित स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जा रहा है।